मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोनार किले (जैसलमेर) पर हरी झण्डी दिखाकर ''हर घर तिरंगा यात्रा'' को रवाना किया। इस यात्रा में मुख्यमंत्री खुद अपने हाथ में तिरंगा थामे हुये थे। यात्रा अखैपोल गेट से शुरु होकर हनुमान सर्किल पर खत्म हुई।

मुख्यमँत्री ने 'हर घर तिरंगा यात्रा' को दिखाई हरी झण्डी

सोनार किले की प्राचीर से गूंजे देशभक्ति के तराने

जैसलमेर, 14 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जैसलमेर के सोनार किले पर हरी झण्डी दिखाकर 'हर घर तिरंगा यात्रा' को रवाना किया। अखेपोल गेट से हनुमान सर्किल तक निकली इस यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की हाथ में तिरंगा लेकर शामिल हुए और उन्होंने राष्ट्रीय एकता एवं गौरव का संदेश दिया।

यात्रा के दौरान शहरवासियों ने कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हनुमान सर्किल पर गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। हाथों में तिरंगा लहराते हुए सीमा सुरक्षा बल, भारतीय थल सेना एवं वायु सेना के जवान तथा बॉर्डर होमगार्ड, एनसीसी कैडेट्स सहित राजस्थान पुलिस के जवान यात्रा में शामिल हुए। बैंड की धुनों और देशभक्ति नारों से सोनार किला गुंजायमान हो गया।

इस अवसर पर विधायक छोटू सिंह भाटी ने साफा पहनाकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। यात्रा में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक महंत प्रतापपुरी सहित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन शामिल हुए।

विनेश फोगाट को सिल्वर मैडल नहीं मिलेगा

नई दिल्ली, 14 अगस्त। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट और करोड़ों भारतीयों को दुआ काम नहीं आई। विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक से सिल्वर मेडल नहीं मिलेगा। कोर्ट ऑफ आर्ब्रिट्रेशन फोर स्पोर्ट्स (सी.ए.एस.) ने अपना फैसला सुना दिया है। खेल पंचाट ने करोड़ों भारतीयों का दिल तोड़ देने वाला फैसला सुनाते हुए विनेश फोगाट की अपील को खारिज कर दिया है। विनेश फोगाट अब खाली हाथ पेरिस से लौटेंगी। महिलाओं की 50 किलोग्राम भार वर्ग फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल से पहले उनको ओवरवेट होने की वजह से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फोर स्पोर्ट्स की पेरिस स्थित एड हॉक डिविजन ने विनेश फोगाट के केस में फैसला सुनाते हुए कहा है कि जो आवेदन विनेश फोगाट ने 7 अगस्त 2024 को दिया था, उसे खारिज किया जाता है। विनेश फोगाट ने दो मांग रखी थीं। उन्होंने पहली मांग सीएएस के सामने ये रखी थी कि फाइनल से कुछ घंटे पहले उनका वजन देख लिया जाए और उन्हें फाइनल खेलने दिया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा था कि अब बहुत देर हो चुकी है। वहीं, दूसरी मांग विनेश फोगाट की ये थी कि उन्होंने सेमीफाइनल तक मुकाबले जीते हैं तो उनको सिल्वर मेडल का अधिकार है।

राज्य सरकार ही करेगी ठिकाना गलता का प्रबंधन

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने से इन्कार किया

जयपुर, 14 अगस्त (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने गलता पीठ के स्वामित्व और महंत पद पर नियुक्ति से जुड़े मामले में हाईकोर्ट की ओर से दिए अंतरिम आदेश में दखल से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने राज्य सरकार को गलता पीठ का प्रबंधन को देखभाल का काम जारी रखने को कहा है।

जस्टिस अभय एस.ओका व ए.जी. मसीह की खंडपीठ ने यह आदेश अवधेशाचार्य की विशेष अनुमति याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए दिए।

एस.एल.पी. में राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के 2 अगस्त के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अपील के लंबित रहने के दौरान ठिकाना गलता जी और उससे जुड़ी हुई संपत्तियों का प्रबंधन व देखभाल देवस्थान विभाग को करने के लिए कहा था। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने स्पष्ट किया था कि गलता पीठ की संपत्तियां अपीलार्थी के हाथों में न रखकर देवस्थान विभाग के पास ही सुरक्षित रखी जाएं और सार्वजनिक ट्रस्ट का प्रबंधन भी देवस्थान विभाग के जरिए ही हो।

अवधेशाचार्य की ओर से सीनियर एडवोकेट डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के अंतरिम आदेश पर रोक लगाने का आग्रह किया। इसके जवाब में राज्य के ए.ए.जी. शिवमंगल शर्मा ने कहा कि देवस्थान विभाग ने ठिकाना गलता के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल ली है और सभी धार्मिक गतिविधियों का प्रबंधन व देखभाल सही तरीके से कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश में दखल से इनकार किया तो याचिकाकर्ता की ओर से एस.एल.पी. को वापस ले लिया।

ए.डी.जी. वी.के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिम्मेदारी सौंपी थी। सिंह की टीम ने रीट पेपर लीक, एसआई एग्जाम-2021 जैसे बड़े एग्जाम में गड़बड़ी करने वाले 150 से ज्यादा मास्टरमाइंड व दूसरे आरोपियों को अब तक गिरफ्तार किया है। एसओजी ने इसी साल अप्रैल में राजस्थान पुलिस अकेडमी में छापा मारकर सभी को चौंका दिया था। यहां से 15 से ज्यादा ट्रेनी सब इंस्पेक्टर्स को पकड़ा गया था।

एसओजी ने राजस्थान में बीते 15 साल में जड़ें जमा चुके नकल गिरोह की पहचान की थी। करीब चार महीने पहले एस.ओ.जी. बीते कुछ सालों में हुए 10 से ज्यादा भर्तियों में गड़बड़ी का दावा किया था। भर्तियों में गड़बड़ियों की जांच की शुरुआत एसआई-2021 परीक्षा से की गई थी। इसके बाद दूसरी परीक्षाओं से फर्जीवाड़े के तार जुड़ते गए। परीक्षाओं के 5 बड़े मास्टरमाइंड का खुलासा एस.ओ.जी. ने किया।

ए.डी.जी. वी.के. सिंह ने वर्ष 2010 से 2015 तक सी.बी.आई. की भ्रष्टाचार विरोधी शाखा में एसपी और डीआईजी के रूप में काम किया। सी.बी.आई. से लौटने पर, उन्होंने 3 वर्ष से ज्यादा समय तक ए.सी.बी., राजस्थान में आईजी के रूप में कार्यरत रहे। इस दौरान सिंह के सुपरविजन में वरिष्ठ नौकरशाहों, राजनेताओं और प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2018 शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। आई.जी.पी. नियम और आईजीपी सी.आई.डी. - सी.बी. के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा काम किया। सिंह कानूनों और नियमों का बहुत व्यापक और सटीक ज्ञान रखते हैं। यही कारण है उन्होंने ए.डी.जी.पी., ट्रैफिक के रूप में नवीनतम तकनीक को शामिल करके सड़क सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने प्रवर्तन, सड़क सुरक्षा ऑडिट और आईआरएडी एप्लिकेशन के अभिनव उपयोग पर जोर दिया।

उनकी पहल के कारण राजस्थान आई.आर.ए.डी. डेटा गुणवत्ता और इसके अभिनव उपयोग में मॉडल राज्य बन गया है। उन्होंने बाइक पर हेलमेट अनिवार्य करने के साथ ही दुर्घटनाओं को रोकने के उपायों को लागू करने के लिए राज्य स्तरीय अभियान चलाया। सिंह के प्रयासों से यातायात पुलिस के उपकरणों में तेजी से वृद्धि हुई। उन्होंने राजस्थान के 40 पुलिस स्टेशन, जहां से सबसे अधिक दुर्घटनाएं होती हैं, पर काम किया। जुलाई 2022 से जुलाई 2023 के बीच उन 40 पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में मौतें 1675 से घटकर 1359 हो गईं।

तेलंगाना से राज्य-सभा सदस्य बनेंगे अभिषेक मनु सिंघवी

नई दिल्ली, 14 अगस्त। तेलंगाना में राज्यसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने अभिषेक मनु सिंघवी को अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अभिषेक मनु सिंघवी की उम्मीदवारी को मंजूरी दी। अभिषेक मनु सिंघवी एक जाने-माने कानूनी विशेषज्ञ और राजनेता हैं। वे पहले भी राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं।

बता दें कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के राज्यसभा सांसद के रूप में केशव राव ने इस्तीफा दे दिया था जिससे ये सीट खाली हुई है। वे छोड़ कांग्रेस में शामिल हो गए।

बंगाल से ग्यारह महिला सांसदों ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के सारे साक्ष्य एवं तथ्यों को नष्ट करने की कोशिश की है। जिस कक्ष में यह कुकृत्य हुआ था, उससे जुड़े हुये कमरे का तत्काल नवीनीकरण करना शुरु किया जा रहा था। उत्तेजित डॉक्टरों तथा अन्य लोगों को इस कदम की जानकारी मिल गई तथा उन्होंने इस क्षेत्र की तोड़-फोड़ को तुरंत रुकवा दिया।

इस छात्रा के साथ हुये कुकृत्य का विवरण, उसकी मृत्यु के कारण, जन-आक्रोश का रुप ले चुका है तथा विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। आम लोगों ने निर्णय लिया है कि आधी रात के बाद पूरे राज्य में महिलाएं कैंडल लाइट मार्च निकालेंगी।

मुख्यमंत्री पुलिस मंत्री भी हैं। इसमें कोई सन्देह नहीं रहा है कि पूरा दोषारोपण पुलिस तंत्र तथा ढ़ाँचे की विफलता को दिया जा रहा है। यह तंत्र एवं ढ़ाँचा वर्तमान सरकार का दिया हुआ है। पुलिस मंत्री के इस्तीफे की माँग हो रही है।

डॉक्टर तथा लोग बड़ी मात्रा में इस निर्दोष लड़की पर हुये हमले के विवरण से उत्तेजित हैं। शव-परीक्षण तथा फॉरेन्सिक विवरण इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि हमलावर एक से ज्यादा थे। पूरे शरीर पर घातक जख्मों के निशान है तथा हड्डियों का टूटना जबरदस्त प्रहारों की कहानी कह रहा है।

लेकिन, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना पर अफसोस व्यक्त करना भी जरुरी नहीं समझा है। इसके बजाय, उन्होंने विरोध -प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों को धमकी दी है तथा विरोध तुरंत वापस लेने के लिये कहा है। उन्होंने कहा है कि ''पिछले दिनों से चल रहा विरोध-प्रदर्शन काफी है तथा अब डॉक्टरों को ड्यूटी पर लौटना ही चाहिये।''

जहाँ तक न्यायपालिका का प्रश्न है, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस घटना का स्वतन्त्र संज्ञान लिया तथा आदेश जारी किये कि सी.बी.आई. इस केस में हुई जाँच पड़ताल के दस्तावेजों को तुरन्त अपने कब्जे में ले। उच्च न्यायालय को राज्य पुलिस द्वारा की गई जांच पड़ताल पर कोई विश्वास नहीं है।

सी.बी.आई. ने इस केस की जाँच के लिये 12 विशेष सदस्यों की एक टीम गठित कर दी है तथा पुलिस के बहुत सारे शीर्ष अधिकारी दिल्ली से कोलकाता पहुँच गये हैं। सी.बी.आई. अपराध स्थल से साक्ष्य एवं विवरण एकत्र करने में जुट गई है।

कुछ विपक्षी दल भी सक्रिय हो गये हैं तथा वर्तमान स्थितियों पर जन-आक्रोश को बाहर लाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन जन-आक्रोश की तुलना में उनकी गतिविधियाँ एवं बयान फीके लग रहे हैं। इस अपराध की जघन्यता तथा सत्तारुढ़ दल से इसका सम्भावित जुड़ाव स्थिति को और भी विस्फोटक बना रहा है।

राजीव गांधी की जयंती से कांग्रेस महाराष्ट्र का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस को अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है पर वे फिर भी सतर्क है क्योंकि सब कुछ नम्बर गेम पर निर्भर है।

उम्मीद है कि कांग्रेस के जिन विधायकों ने एम.एल.सी. चुनाव में भाजपा का वोट दिया था उन्हें टिकट नहीं दिया जाएगा हालांकि पार्टी ने उन पर कोई कार्यवाही नहीं की थी क्योंकि अगर उन्हें निकाला जाता तो वे भाजपा के साथ आ जाते है। नियमानुसार अगर किसी सदस्य को पार्टी निकाल देती है तो वह अपनी मर्जी से अपना वोट व समर्थन किसी भी पार्टी को दे सकता है क्योंकि तब वह पार्टी व्हिप से बंधा नहीं होता है लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने महाराष्ट्र अच्छा प्रदर्शन किया था, पर भाजपा फिर से महाराष्ट्र में कदम जमा रही है।

समझा जाता है कि भाजपा 'लाड़ली' की ही तरह की एक योजना ला रही है। ज्ञातव्य है कि मध्यप्रदेश में 'लाड़ली' योजना के अन्तर्गत पैसा महिलाओं के खातों में सीधे ही ट्रांसफर किया जाता था तथा महिला मतदाताओं पर इसका बहुत बड़ा प्रभाव हुआ था।

एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र में इसी प्रकार की योजना ला रही है। उन्होंने कहा कि इससे चुनाव में भाजपा को मदद मिलेगी।

कांग्रेस का कहना है कि उसे इसकी काट ढूंढने की जरुरत तथा कांग्रेस इस दिशा में काम करती बताई जा रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालयः** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय** : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, **उदयपुर कार्यालयः** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय** : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय** :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय** :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 **चूरू कार्यालय** : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908